जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 90 प्रभात चूरू, रविवार 27 जुलाई, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल ने प्रणीति शिंदे, इमरान प्रतापगढ़ी व कुणाल चौधरी को बिहार की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य बनाया

पर क्या युवा, उत्साही और विश्वासपात्र होना ही पर्याप्त है, यह निर्णय लेने के लिए कौन उपयुक्त है, चुनाव लड़ने के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। एक तरफ विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बिहार में भाजपा व एनडीए गठबंधन को लाभ पहुँचाने के लिए लगभग 70 लाख वोटरों को वोट देने के अधिकार से वंचित किया गया है। वहीं, आरजेडी के तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को सुझाव दिया है कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करके बिहार चुनाव का बहिष्कार करने पर गंभीरता से विचार करें। लेकिन कांग्रेस ने बिहार चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करने वाली स्क्रीनिंग कमेटी की घोषणा कर दी है। अजय माकन को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी के बाकी तीन सदस्य युवा और राजनीतिक रूप से अनुभवहीन हैं, जो राहुल गांधी के नई कांग्रेस बनाने के मिशन से जुड़े हैं।

अजय माकन को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है और वे इस समय एआईसीसी के कोषाध्यक्ष भी हैं।

- पर, अगर स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष पुराने अजमाये हुए नेता होते तो नये युवा सदस्यों की अनुभवहीनता ''शायद'' कवरअप हो जाती।
- लेकिन, स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन नियुक्त किये गये हैं। अजय माकन इससे पहले हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा इन राज्यों में कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव हारी थी। माकन राजस्थान के प्रभारी महासचिव थे तब भी कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।
- इसी तरह प्रशांत किशोर की टीम के पुराने सदस्य कानूनगोलो को भी राहुल ने तोड़कर कांग्रेस में शामिल करवाया है। वे कई राज्यों में सर्वे कर रहे थे, पार्टी के लिए और उन सर्वे के आधार पर टिकट बांटे गये थे तथा कांग्रेस इन सभी राज्यों में विधानसभा चुनाव हारी थी। अब, कानूनगोलो बिहार में सर्वे कर रहे हैं।
- ऐसे में बिहार के विधानसभा चुनावों में पार्टी से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना कितना उचित है।

ये भी ध्यान देने वाली बात है कि राहुल गांधी ने हाल के समय में कई राज्यों की स्क्रीनिंग कमेटी का अध्यक्ष अजय माकन को ही बनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि जिन-जिन राज्यों में अजय माकन को यह ज़िम्मेदारी दी गई, वहां कांग्रेस चुनाव हार गई।

इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़ शामिल हैं, और उससे पहले वे राजस्थान के प्रभारी महासचिव भी थे।

कांग्रेस इन सभी राज्यों में हारी, लेकिन इसके बावजूद अविचलित राहुल गांधी ने माकन पर भरोसा बनाए रखा।

वैसे, ये भी संयोग ही है कि माकन खुद हरियाणा से राज्यसभा का चुनाव हार गए थे, लेकिन बाद में उन्हें कर्नाटक से राज्यसभा सांसद बना दिया गया।

एक और दिलचस्प बात यह है कि कानुगोलू नाम के शख्स ने कई राज्यों में सर्वे किए, जिनके आधार पर टिकट बांटे गए, लेकिन पार्टी वहां हार गई। अब वे बिहार में सर्वे कर रहे हैं।

कानुगोलू पहले प्रशांत किशोर के साथ काम करते थे, लेकिन राहुल गांधी उनसे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें प्रशान्त किशोर का साथ छोड़कर, कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज ''हरियाली तीज'' पर वन महोत्सव का शुभांरभ करेंगे

जयपुर, 26 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। पिछले वर्ष हरियाली तीज पर एक दिन में 2 करोड़ पौधे लगाए गए थे, इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 जुलाई (रविवार) हरियाली तीज के पावन अवसर पर 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जयपुर के मदाऊ ग्राम

- हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में ढाई करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

(भांकरोटा) स्थित जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण कर ''मातृ वन'' की स्थापना करेंगे। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से बीजारोपण भी किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा सीकर जिले के ग्राम मंडावरा (धोद) में वृक्षारोपण एवं वन महोत्सव कार्यक्रम में भी शामिल होंगे।

इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय वन महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। हरियाली तीज के अवसर पर राज्य में एक दिन में 2 करोड़ 50 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

हजार साल पहले जन्मे चोल सम्राट राजेन्द्र पर भाजपा व डी.एम. के बीच राजनीतिक द्वंद्व छिड़ा

भाजपा राजेन्द्र चोल को प्री.इस्लामिक भव्य सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताकर, राजनीतिक लाभ लेना चाहती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लगभग 1000 वर्ष पूर्व के एक सम्राट आज भाजपा और डीएमके (द्रमुक) के बीच राजनीतिक खींचतान का मुद्दा बन गए हैं।

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तमिलनाडु के अरियालूर ज़िले स्थित गंगईकोंडा चोलपुरम का दौरा करेंगे, जो कभी चोल साम्राज्य की राजधानी था। वहाँ वे राजेन्द्र चोल की उत्तरी क्षेत्रों पर प्राप्त विजय की स्मृति में एक सिक्का जारी करेंगे और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय ने चोल सम्राट की दक्षिण-पूर्व एशिया में समुद्री अभियान की 1000वीं वर्षगांठ और गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण के शुभारम्भ को याद करते हुए, चार दिवसीय उत्सव की घोषणा की है। संगीतकार इलैयाराजा इस समारोह में 20 मिनट का एक संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जबकि एक प्रदर्शनी में चोल काल की कलाकृतियां और लघु मूर्तियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। ब्रिटिश

- दूसरी ओर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन, उसे द्रविड़ संस्कृति गौरव का उदाहरण बताकर, कई आयोजन, प्रदर्शनियाँ, संगीत उत्सव, प्लान कर रही है।
- प्र.मंत्री मोदी भी तमिलनाडु के अरिपालू जिले के शहर गंगाईकोण्डा चोलापुरम, जो चोल साम्राज्य की राजधानी थी, जायेंगे और सिक्का जारी करेंगे तथा चार दिन के उत्सव का शुभारंभ करेंगे।
- चोल साम्राज्य की सामुद्रिक सत्ता, मलेशिया, इंडोनेशिया व थाईलैण्ड तक फैली हुई थी तथा राजेन्द्र चोल ने उत्तर भारत में कई अभियानों का नेतृत्व किया था।

इतिहासकारों ने इस नगर की तुलना प्राचीन बेबीलोन से की थी, और अब इसे सजाया जा रहा है।

इसी के साथ, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सम्राट की जयंती को राज्य स्तर पर आधिकारिक उत्सव घोषित किया है और चोल साम्राज्य के समुद्री व्यापारिक नेटवर्क, मंदिर वास्तुकला और सांस्कृतिक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने हेतु 22 करोड़ की लागत से एक संग्रहालय के निर्माण की योजना सहित कई कार्यक्रमों की घोषणा की है।

यह खींचतान दरअसल भारत के इस इतिहास को दो भिन्न वैचारिक दृष्टिकोणों से गढ़ने के प्रयासों को दर्शाती है: स्टालिन का द्रविडीय संघवाद बनाम मोदी का अखिल भारतीय राष्ट्रवाद। जहाँ तमिलनाडु के मुख्यमंत्री राजेन्द्र चोल की विरासत को द्रविडीय गौरव से जोड़ते हुए क्षेत्रीय पहचान को मज़बूत करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं, प्रधानमंत्री मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर पोर्ट व मुख्यमंत्री कार्यालय बम से उड़ाने के ई-मेल ने हड़कंप मचाया

जयपुर, 26 जुलाई। राजधानी जयपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब एयरपोर्ट प्रशासन और राजस्थान मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इस ई-मेल में जयपुर एयरपोर्ट और सीएमओ को विस्फोटकों से उड़ाने की बात लिखी थी। इसके बाद पुलिस

- दो घंटे के सघन सर्च अभियान में कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

प्रशासन हरकत में आया। फौरन सीएम ऑफिस के साथ ही एयरपोर्ट पर चेकिंग शुरू की गई। दो घंटे तक सर्च कार्यवाही चली, पर कुछ नहीं मिला।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस, एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड, एसडीआरएफ, डॉग स्क्वॉड का दस्ता और एंटी बम स्क्वॉड सचिवालय पहुंचा और मुख्यमंत्री कार्यालय के चप्पे चप्पे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में सरकार ने चुनाव से पूर्व पत्रकारों की पेंशन ढाई गुनी की

बिहार में पत्रकारों को 6,000 रूपए मासिक पेंशन मिलती थी, जो अब बढ़कर 15,000 रूपए हो गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत पत्रकारों की पेंशन बढ़ा दी है।

- इस घोषणा के बाद बिहार में पत्रकारों को देश में सर्वाधिक पेंशन मिलेगी।
- नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि पत्रकार के आश्रित पति या पत्नी को अब 3,000 रूपए के बजाय आजीवन दस हजार रूपए मासिक पेंशन मिलेगी।

अब बिहार में सेवानिवृत्त पत्रकारों को 15,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो देश में सर्वाधिक है। पहले बिहार के पत्रकारों को 6000 प्रतिमाह पेंशन मिलती थी।

मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट में यह भी घोषणा की कि पत्रकारों की आश्रित पत्नी/पति को अब जीवनभर 10,000 प्रति माह पेंशन मिलेगी, जो पहले 3,000 प्रति माह थी।

उन्होंने लोकतंत्र में पत्रकारों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू के पुत्र तेज प्रताप निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे

पटना, 26 जुलाई। बिहार चुनाव से पहले तेज प्रताप यादव ने बड़ा ऐलान किया है। आपको बता दें कि तमाम कयासों को किनारे करते हुए तेज प्रताप ने अब साफ कर दिया है कि वह महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वे निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि उन्होंने टीम तेज प्रताप बनायी है, जो उनसे जुड़ने के लिए सोशल मीडिया का प्लेट फॉर्म है। इसके जरिये वे सोशल मीडिया

- तेज प्रताप ने महुआ सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की।

से लोगों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, इसे रोज की मेरी एक्टिविटी को, जन-जन तक पहुंचाने के लिए बनाया है। उन्होंने कहा कि टीम तेजप्रताप यादव की तरफ से लोगों को चुनाव लड़वाया जायेगा। उनकी टीम चुनाव लड़ने वाले युवाओं को सपोर्ट करेगी। इस बीच तेज प्रताप यादव ने टोपी का रंग भी बदल दिया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार चाचा सीएम नहीं बन पाएंगे।

तेजप्रताप यादव आज पहली बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या हाई कोर्ट के दो जजों के खिलाफ एक साथ ''इम्पीचमैंट'' शुरु होगा संसद में?

भाजपा, जस्टिस वर्मा और विपक्ष जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 जुलाई। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ शुरू की गई महाभियोग की कार्यवाही ने लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच टकराव का नया दौर शुरू कर दिया है, जिससे संसद के वर्तमान मानसून सत्र के पूरी तरह ठप होने की आशंका बढ़ गई है।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय राज्यसभा में पिछले सप्ताह हुए एक नाटकीय घटनाक्रम के बाद हुआ, जब उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ ने अप्रत्याशित रूप से विपक्ष द्वारा समर्थित एक प्रस्ताव को पेश करने की अनुमति दे दी। यह प्रस्ताव दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में बेहिसाब अधजली नकदी मिलने, और उनके बचाव के विवादास्पद प्रयास को लेकर

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस शेखर यादव पर कथित रूप से विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में ''सांप्रदायिक व अमर्यादित'' टिप्पणी करने का आरोप है। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट से फटकार भी पड़ी थी।
- विधि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हाई कोर्ट के दो न्यायाधीशों के खिलाफ एक साथ महाभियोग प्रस्ताव, एक सत्ता पक्ष द्वारा दूसरा विपक्ष द्वारा, लाने से संसद में भारी गतिरोध पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर वर्मा के खिलाफ प्रस्ताव आगे बढ़ाया गया और यादव के खिलाफ नहीं तो सरकार पर पक्षपात का आरोप लग सकता है।
- सूत्रों से पता चला है कि मोदी सरकार गतिरोध की संभावना से निपटने के लिए विपक्षी दलों से ''बैक चैनल'' वार्ताएं कर रही है।

था, जिसने एक हाई-प्रोफाइल मामले को जन्म दे दिया। नकदी से जुड़े आरोपों से जस्टिस वर्मा के इनकार के बाद, विपक्ष और सरकार, दोनों के पास तत्काल महाभियोग प्रस्ताव लाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचा।

यह घटनाक्रम सरकार के लिए चौंकाने वाला रहा और उसे संसद में इस संवेदनशील मुद्दे को संभालने के लिए रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर होना पड़ा।

सरकार के इस कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर न्यायपालिका को डराने और संवैधानिक व्यवस्थाओं का राजनीतिक हितों के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

साथ ही, विपक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ भी प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। न्यायमूर्ति यादव ने इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय को लेकर कथित रूप से ''सांप्रदायिक और अमर्यादित'' टिप्पणी की थी, जिसे लेकर भारी विरोध हुआ। इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमारे बहादुर जवानों की कुर्बानी प्रेरणा देती रहेगी- प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 26 जुलाई। कारगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के

- उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सम्मान की रक्षा की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गमगीन माहौल में पिपलोदी में 6 बच्चों का अंतिम संस्कार हुआ

सहमति बनने के बाद शुक्रवार शाम पोस्टमार्टम के बाद सभी शव मोर्चरी में रखे गये

झालावाड़, 26 जुलाई (निसं)। झालावाड़ जिले के मनोहरथाना क्षेत्र के पिपलोदी गांव के स्कूल में पढ़ने वाले सभी बच्चे रोजाना की तरह शुक्रवार को भी अपने घरों से स्कूल ड्रैस पहन कर तैयार होकर स्कूल के लिए रवाना हुए थे, लेकिन वक्त का न तो घर वालों को पता था और न ही हादसे में मौत का शिकार हुए उन सात मासूमों को, कि यही स्कूल की ड्रैस उनका अंतिम परिधान होगी और इसी स्कूल ड्रैस में के अपना अंतिम सफर करेंगे।

पीपलोदी स्कूल हादसे में मौत का शिकार हुए सात बच्चों का 24 घंटे पश्चात अंतिम संस्कार कर दिया गया। पीपलोदी गांव निवासी 6 बच्चों का पीपलोदी गांव में, जबकि एक बच्चे का पास के गांव चांदखेड़ी भीलान में अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार सुबह हुए हादसे में स्कूल की बिल्डिंग में दब कर जान गँवाने वाले सभी बच्चों के शव शुक्रवार शाम को पोस्टमार्टम की सहमति बनने के पश्चात, पोस्टमार्टम करवा कर मनोहर थाना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवा दिए गए थे।

बच्चों के परिजनों द्वारा शनिवार सुबह अंतिम संस्कार किए जाने की बात कहने के पश्चात प्रशासन द्वारा बच्चों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया था, जहां से शनिवार सुबह 5 से 5.30 बजे के बीच सभी शव परिजनों को सौंप दिए गए तथा अलग-अलग गाड़ियों से सभी शवों को बच्चों के गांव

- सातवें बच्चे का अंतिम संस्कार चांदखेड़ी भीलान गाँव में किया गया।

भिजवाया गया। सुबह लगभग 7.30 बजे तक सभी शवों को अंत्येष्टि के लिए शमशान तक पहुंचा दिया गया था। पीपलोदी गांव में 5 शवों का अंतिम संस्कार एक ही स्थान पर किया गया, जिनमें दो सगे बहन भाई भी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, एक अन्य बालिका पायल का अंतिम संस्कार स्कूल भवन के निकट की भूमि पर किया गया।

स्कूल हादसे में मरने वाले सभी बच्चों के शवों को जैसे ही पीपलोदी लाया गया तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। पूरे गांव में महिलाओं के विलाप की आवाज गूंजने लगी, खास तौर पर मरने वाले बच्चों के घर की महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल था।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं झालावाड़ विधायक वसुंधरा राजे पहले पीपलोदी गांव पहुंची, उसके पश्चात चांदपुरा भीलान में जाकर भी शोक प्रकट किया। राजे प्रत्येक मृतक बच्चे के घर पर गयीं और बच्चों के परिजनों को सांत्वना दी तथा हर संभव मदद का भी वादा किया। वसुंधरा राजे ने कहा कि मैं भी एक माँ हूँ, ये हादसा माता-पिता और बच्चों के सपनों का अंत है। चांदखेड़ी भीलान में उन्होंने भरे मन से कहा कि यह ऐसी घटना है जिसने मुझे अंदर तक हिला दिया है। राजे के साथ उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, एसपी अमित कुमार भी मौजूद रहे।

झालावाड़ में पिपलोदी के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग के नीचे दबकर जान गंवाने वाले सातों बच्चों के परिवार वालों को 10 लाख रुपए और संविदा पर नौकरी मिलेगी। साथ ही नए स्कूल भवन में बनने वाले कक्षों के नाम मृतक बच्चों के नाम पर रखे जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पीड़ित परिवारों को सहायता राशि के चैक और संविदा पर नौकरी के जॉइनिंग लैटर सौंपे।

राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रमोद जैन भाया भी झालावाड़ अस्पताल और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

17 सांसदों को मिला संसद रत्न सम्मान

नई दिल्ली, 26 जुलाई। लोकसभा में बेहतर काम करने पर 17 सांसदों को संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसके अलावा, चार सांसदों को विशेष जूरी पुरस्कार दिया।

संसद रत्न पुरस्कार पाने वालों में गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन,

- 17 सांसदों में भाजपा के रवि किशन, निशिकांत दुबे, एनसीपी की सुप्रिया सुले प्रमुख हैं।

एनसीपी शरद की सुप्रिया सुले, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और शिवसेना यूबीटी के सांसद अरविंद सावंत सहित 17 सांसद शामिल हैं।

वहीं, तीन कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में निरंतर योगदान देने वाले चार सांसदों को चार विशेष जूरी पुरस्कार दिए गए। इनमें ओडिशा से भाजपा सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)